राजस्थान दिवस पर हार्दिक बधाई

राजस्थान री धरती पावन

निपजे अन्न बरसे सावण,

जद पाणी खेता में अरठ काढ़े

धरती रो काळजो भीजै है

खेतों में धान मेहनत सुं निपजै

निम्बोलियाँ मीठी लागे है

केरियाँ रे सागे केर कुमटीया

अताणो स्वाद बणावे है

बिलोवणो कर दही अर माखण

मन भावण मिनखां नै लागे है

कोयल तीतर रा गीत सुहावणा

कुरजां रो रूप सवावणो है

सांगा प्रताप अर राव जोधा आगे

सगळी दुनिया शीश झुकावे है

रणबांकुरा ईण धरती री खातिर

हँसता हँसता शीश कटाया है

ईण धरती रो मान बचावण सारु

रानी पद्मनी जौहर करियो है

पन्नाधाय ईण धरती री खातर

खुद बेटे रो शीश कटायो है

मेवाड़ ढूंढार जोधाणो बीकाणो

जयपुर सयूँ हेत लगायो है

अजमेर अलवर अर कोटा बूंदी

हिलमिळ साथ निभायो है

सिरोही सीकर जैसल बाड़मेर सूं

राजस्थान रो रूप बणायो है

राजस्थान दिवस रै शुभदिन माथै

में पिणयारी अर घूमर गावांला,

ईण पवित्र धरा रे कण कण माथै

घणा कोढ़ सयूँ शीश झुकावाँ हां

गोपाल कृष्ण व्यास